भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5898

उत्तर देने की तारीख 30.03.2026

दुर्लभ पांडुलिपियों के 'कैच' का डिजिटलीकरण

5898. श्री कल्याण बनर्जी :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 2016 से अब तक शुरू की गई पांडुलिपि डिजिटलीकरण की योजना के अंतर्गत ग्रंथ विरासत के संरक्षण और दस्तावेजीकरण के लिए देश भर में दुर्लभ पांडुलिपियों के 'कैच' के डिजिटलीकरण का श्रेणी-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) जनवरी, 2026 तक डिजिटलीकरण के लिए चयनित और अब तक पूर्ण की गई पांडुलिपियों की संख्या का ब्यौरा क्या है; और

(ग) वर्ष 2016-17 से 2025-26 तक इस संबंध में स्वीकृत और आवंटित बजट का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (एनएमएम) के अंतर्गत वर्ष 2003-2024 के दौरान, 3.50 लाख पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया गया। इसके अलावा, ज्ञान भारतम मिशन (जीबीएम) जिसकी घोषणा केंद्रीय बजट 2025-26 के दौरान की गई थी, संस्कृति मंत्रालय (एमओसी), भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य पांडुलिपियों का सर्वेक्षण और पंजीकरण, सुदृढ़ तकनीकी अवसंरचना और भागीदारी का निर्माण, प्रलेखन, परिरक्षण, संरक्षण, डिजिटलीकरण, पांडुलिपियों का प्रकाशन तथा क्षमता निर्माण और अनुसंधान सहित विभिन्न घटकों के अंतर्गत पांडुलिपियों से संबंधित कार्यकलापों को संचालित करना है। इस मिशन के अंतर्गत, मानकीकृत प्रोटोकॉल का उपयोग और मेटाडेटा का सृजन और राष्ट्रीय डिजिटल रिपॉजिटरी (एनडीआर) में एकीकरण करते हुए सम्मिलित किए गए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों, केंद्रों, विश्वविद्यालयों, पुस्तकालयों, संग्रहालयों, मंदिरों, मठों आदि के माध्यम से अखिल भारतीय स्तर पर पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया गया है जिससे इनका दीर्घकालिक परिरक्षण और जनता के लिए सुलभता सुनिश्चित हो सके। देश

भर में डीवीडी, एचडीडी, माइक्रोफिल्म जैसे विभिन्न प्रारूपों में 8 लाख से अधिक डिजिटलीकृत पांडुलिपियां उपलब्ध हैं जिनमें से 1.29 लाख पांडुलिपियां इस समय ज्ञान भारतम पोर्टल अर्थात https://gyanbharatam.com पर जनता के लिए व्यू मोड में सुलभ हैं। वर्ष 2016-17 से 2025-26 तक इसके लिए वर्ष-वार स्वीकृत और आवंटित बजट का विवरण निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	**संस्वीकृत बजट (करोड़ रुपए में)**	**वास्तविक व्यय (करोड़ रुपए में)**
2016-17	12.00	5.88
2017-18	5.50	4.78
2018-19	12.00	8.87
2019-20	3.41	3.33
2020-21	4.17	3.69
2021-22	इस अवधि के दौरान, एनएमएम के कार्यकलाप इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के समग्र कार्यक्रमों के भाग के रूप में संचालित किए गए क्योंकि कार्यकुशलता बढ़ाने हेतु एनएमएम को सुव्यवस्थित किया गया था और यह परिकल्पना की गई थी कि इसकी निधि संबंधी आवश्यकताओं को आईजीएनसीए के माध्यम से पूरा किया जाएगा।	5.77
2022-23		5.52
2023-24		5.05
2024-25	3.50	2.63
2025-26	15.00	13.39 (अब तक)

*****